Page No.
Date

शिक्षा में सूचना एवं संचार तकनीकी
[F-12]

इकाई-1 : शिक्षा में सूचना एवं संचार तकनीकी का परिचय

* सूचना तथा संचार तकनीकी की अवधारणा तथा समझ

वर्तमान समय में सूचना तथा संचार तकनीकी हमारे सामाजिक अंतःक्रिया का एक आवश्यक अंग बन गया है। इससे शिक्षा में क्रांतिकारी बदलाव आए हैं। शिक्षा प्रक्रिया के सभी स्तरों पर इसे प्रभावशाली रूप में प्रयोग किया जाता है। शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया, दूरस्थ शिक्षा, मुक्त शिक्षा, प्रशिक्षण, कार्यक्रम निर्माण योजना, परीक्षा परिणाम, नामांकन इत्यादि सभी प्रक्रिया में इसका प्रयोग अधिक-से-अधिक किया जा रहा है। इससे शिक्षकों का काम आसान हो गया है। इसके प्रयोग से शिक्षण प्रक्रिया सरल, सुगम और रुचिपूर्ण बनता है। इसके प्रयोग से स्वयं बालक भी ज्ञान का सृजन कर अपनी रुचि अनुसार प्राप्त कर सकता है। इन तकनीकों के साथ शिक्षा में नवाचार आ रहा है, साथ ही सुदूर क्षेत्रों तक भी शिक्षा का प्रसार हो रहा है। इसके माध्यम से शिक्षा का तेजी से आदान-प्रदान होता है। विशिष्ट बच्चों को भी इससे बहुत मदद मिलता है। इनके लिए विडियो-ऑडियो टेप, ब्रेल लिपि, विभिन्न प्रकार के मशीन काफी उपयोगी साबित हुआ है।

Scanned by CamScanner
Scanned with CamScanner

किसी तथ्य या सूचना को जानना तथा उसे तुरंत उसी रूप में आगे पहुंचना जिस रूप में वह है, सूचना संचार प्रौद्योगिकी कहलाता है। इसके माध्यम से सूचना तेजी से आदान-प्रदान किया जाता है। इसकी मदद से सम्प्रेषण कार्य अत्यधिक प्रभावी ढंग से सम्पन्न होते हैं।

* सूचना एवं संचार तकनीकी के विभिन्न अवयव

⇒ सूचना एवं संचार तकनीकी (Information and communication Technology) (ICT)

आई. सी. टी का विभिन्न अवयव निम्न है —

i) रेडियो - श्रव्य आधारित उपकरण
ii) टेप-रिकॉर्डर -
iii) टेलीविजन - श्रव्य एवं दृश्य आधारित उपकरण
iv) वीडियो प्लेयर -
v) कम्प्यूटर - बहुआयामी एवं बहुउपयोगी उपकरण इसके कई रूप है- नोटबुक, डेस्कटॉप, टेबलेट, लेपटॉप इत्यादि
vi) इंटरेक्टिव बोर्ड - इसके माध्यम से पूर्व प्रोग्रामिंग कर बच्चों के सामने प्रस्तुत किया जाता है।
vii) मोबाइल - श्रव्य, दृश्य, टेक्स्ट उपकरण
viii) इंटरनेट -
ix) प्रोजेक्टर -

Scanned by CamScanner

* शिक्षा में सूचना एंव संचार तकनीकी की उपयोगिता एंव महत्व

⇒ उपयोगिता एंव महत्व

i) तनावमुक्त अधिगम - इसकी सहायता से शिक्षण-कर्य को बालकेंद्रित और रुचिपूर्ण बनाया जाता है। किसी पाठ को पढ़ाने के लिए ऑडियो-विडियो का प्रयोग किया जाता है।

ii) स्वाध्याय में सहायक - किसी विषय-वस्तु की जानकारी के लिए कम्प्यूटर, मोबाइल का प्रयोग कर सकते है। ऑडियो-विडियो, इंटरनेट अन्य उपकरणों द्वारा स्वाध्याय में सहायता मिलता है।

iii) विशिष्ट विद्यार्थियों के लिए उपयोगी - ऑडियो-विडियो क्लिप, इलेक्ट्रिक व्हिलचेयर इत्यादि से इन्हें बहुत मदद मिलता है।

iv) दूरस्थ शिक्षा - इसके माध्यम से शिक्षा सभी तक पहुंचाना संभव है। इसकी सहायता से देश के सुदूर क्षेत्रों में भी शिक्षा का प्रसार हो रहा है।

v) शैक्षिक सूचनाओं एंव आँकड़ो का संकलन - इसके माध्यम से आसानी से परीक्षा परिणाम, बच्चों का नामांकन लिष्ट इत्यादि का संकलन किया जाता है।

⇒ आई॰ सी॰ टी॰ की प्रकृति -

i) संकलन एंव संग्रह
ii) सम्प्रेषण
iii) प्रोसेसिंग
iv) पुनर्उत्पादन

⇒ आई॰ सी॰ टी॰ के क्षेत्र - शिक्षा, व्यवसाय, चिकित्सा और विज्ञान

Scanned by CamScanner

Scanned with CamScanner